

كتاب المناهج المقنعة الأنيسة والمغنية النفيسة |

ج. د. قاسم خلف السكيني
جامعة البصرة / كلية الآداب
قسم اللغة العربية

أ. ج. د. نوفيق الدجاج
جامعة البصرة / كلية الآداب
قسم التاريخ

()

() ()
()

()

() ()
() ()
() () ()
()

() ()

Abstract

The book (Almanahij) or (Almuqnia'a Alaneesa and Almugnia'a Alnafeesa) for Muhathib Aldin Albasry, one of the scientists of the Basrah in the eleventh century A H, he was alive in the year (1090) AH. the book was a book in science of knowledge, a study in speech and speakers (alsonna alnabauia.)

Muhathib Aldin Albasry (Ahmed bin Abd alrutha) was a scientist who participated in various knowledge sciences, he had science travels to the east of Islamic countries (Iran and India) and utilized in teaching and composing, it has been mentioned who had translated for him from sciences, was one of his students (Akher Alamly) who had authorization from him in telling the Prophet speech. Muhathib Aldin Albasry distinguished by a very different style in writing his compositions specially the book that we are describing (Almanahij), its sections are very accurate depends on several resources that he mentions with authors' names ... and the predominant is (the twelfthors faith) and he chose the word (manhaj) not (chapter) in splitting between sections' as the authors were doing. so that the book is called (Almanahij). Muhathib Aldin Albasry was not the first who discovered this style, there were scientists preceded him like (Bin Abd Rabah) in his book (Alaqd Alfareed), he divided its sections and chose the words (dur), (lulu) and (almarjan)

And for the need of the Islamic library to introduce to scientists who their compositions still written neither described nor printed yet to be in the hands of the readers to know the opinions and style or comment or records what is known that may change the idea or theory that the people had, and may correct some aspects that the scientists had to support some ideology or faith.

() /

/ (())

()

) ()

()

/ ((

. / (())

()

()

. ()

()

(*)

)

()

() (

(**)()

) ()

() (

()

()

()

()

()

()

()

() ()

()()

()()

()()

()()

()

()()

() () ()

() ()

()() ()

()()

)

) () ()

() ()

()

() /



()

)

()

(

)

(

())

()

()

() ()

() ()

() ()

()



.()

()

.()

()

.

()

()

()

.

() ()

()

()

()

.()

.()

() ()

()

.()

() /

()

()

()

() ()

()

() () () ()

()

() ()

() () ()

() () ()
()

()

()



()

() () () ()

() ()

()

() () () ()

() ()

() ()

()

):

() (

()

()

()

() () () () () ()

() () () () () ()

: () () ()

() /

()

)

)

/ = ()

) ()

()

)

() ()

() ()

()

()

)

() ()

()

)

.

()

() /

.

:

.

.

()
()
() () ()
() ()
)
. (

:

()

()

()
() ()
() ()

. ()

()
() () ()
() ()
()
()

() () ()
() ()

() :
() ()
() ()

:
(...)

() /

:):

() (

:

(() ())

(() ())
: ()

.....

()

()

() ()

() ()

()

()

()

()



() () () ()

()

() ()

.

()

()

.

()

.

):

...

()(...

.

.

()

.

() /

)

() (

):

(:) /

() (

):

. () (

[]

. ()

()

.

:

)

. () (

.



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

الحمد لله الذي جعلنا من خلقه
 حبيبك افضل انبيائك والمخفنا
 اصفيائك ايضا فقولنا
 غورنا العفو والرضا احوج
 خلقته اليه المشتمرا بالهذب
 احدين عبد الرضا زفة الله
 لظلمة قبل افضاء وعمره
 وارقائه هذه المظنة
 الاليس والمغنية البقية التي
 على حقيقة هذا العلم الشريف
 احتوت وعلى سائر اصوله
 وفصوله انطوت خطرت
 بالبال الاليس حال
 الرغيبين اجابها الغفران
 من انقضاء اليوم لشخص
 فيه سائر الالبصار
 ومقتناز الابرار من الفجار
 مرتبة على ثني عشر منها
 جا وخطمة دما تو فيق
 الاليس منج علم الداية
 علم بحيث فيه عن متن
 الحديث وكيفية شمله
 نقله وطرقه من صحيحها
 وما يما انشد كلام يحكي
 قول المعصوم وفعلا زفن
 واخلاقه على ما ورد عن
 نهر المعصوم مجاز ورد
 على عكس النقص بالاسم
 من معصوم غير محكي عن
 معصوم اخر بالادب انضمام
 القول الى التعريف بان
 يقال انه قول المعصوم
 ارحكايه قول او فعلا او
 تزني ويرد عليه انتقاض
 عكسها بالحدوث المنقول
 بالاعتقادية وخرده بكتيب
 من عبارات

الصفحة الاولى ونظير عليها فتمت اصدى المرز لبيده
 للدراسات والبحوث وفي نهايتها (التعصية) لانها غير دقيقة

() /

() ()
() ()

()

.

)

(

.()

()

.

× :

:

:

() :

()

.

:

):

(

()



:

.

.

.

.

:

):

.

:

.(

:

:

.

.

.

:

:

() /

:

:

:

:

[]

:

:

:

:

:

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

() []

() [.....]

() []

: ()

: () () []

:

:

:

: ()

:

:

() () () :

()



() () :

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

() () :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

() /

()

.

() () () ()

()

(*)

()

) :

() (

()

()

:

()

()

()

):

()



() (

()

()

()

()

):

()

()

()

() (

):

:

() (

)

() (

):

() (

()

()

()

() /

.

:

:

()

:

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()



()

:

()

()

()

()

()

()

()

()

()

) (*)

:

:

:

:

:

() (

()

()

()

() /



:

()

()

()

):

, . () (

:

() () :

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

.

:()

() /

:()

.

.

:()

:

:

:

.

:

:

:

:

:

.

:

:

:

.

:

:

:

:

.

:

:

.

()



:

:

: .

:

()

()

:

:

:

:

:

:

:

()

()

:

() /



: .

: ()

:

: .

:

: .

()

:

: .

.

()

()

()



()

()

()

()

()

.

()

:

:

()

()

()

:

:

()

()

() /

()

()

()

.

:

:

()

()

()

()

()

.

)

:()

(

()

:

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

()

()

()

)

()

()



()

(

()

)

()

()

(

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

)

(

()

)

(

()

()

() /



()

. ()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

: ()

()

()

()

()

()

()

()

()

.

()

()

()

()

()

()

()



.)
) : ()

:

:

() (

()

.)
: (*)

()

()

()

:

()

()

)

:

()

() (

() /



() : ()
() ()
() ()
() : ()
() ()

·
·
: : ()
: :
(*) () : :
: :
: :
: :
: :

·
() :
()
: ()
: ()

()

()

()

:()

:()

:()

:

()

()

()

:() :

()

:()

:()

:

()

:()

)

()

()

(

()

()

:

()

:

()

:()

() /



()

: () ()

: ()

: () ()

()

:

) ()

: () ()

:

() (

): ()

() (

()

:

()

:

()

()

()

: ()

()

()

()

()

: ()

:

()

()



)

)

() (

()

()

:

)) :

(*) ((

()

()

:

()

()

()

()

: ()

)) :

(* *) ((

()

()

()

() /



()

()

)

(

()

()

:

() (

()

()

)

(

() /

) : ()

) : () (

() (

) : ()

) : () (

) : () (:

() (

() (

) () ()

) () ()

() (

()

()

()

:

()

: : . : ()

. : : : : ()

: : : : ()

: . : ()

: : : : ()

: ()

: : .

: : : ()

. : :

: ()

: ()

: : .

: . : ()

: . : ()

. : : . : ()

()



: :

()

.

:

.

:

()

.

:

()

.

:

()

.

()

:

()

.

:

()

.

()

.

:

()

.

:

()

:

:

()

.

:

.()

:

()

.

:

()

:

()

.

/

:

()

. ()	:	()
.	:	()
. : ()		()
.	()	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
)	:	()
.		(
.		()
. () ()		()
.	:	()
.	()	()
.	:	()
.	:	()
:	:	()
.	:	()
.	:	()
.	:	()
. (.....)
.	()	()

()



: () :

: ()

. : :

: : ()

.

:

: : ()

:

:

()

.

:

: : ()

.

:

:

()

:

:

.

:

.

:

()

.

:

()

:

:

()

.

:

:

:

()

.

:

.

:

()

:

:

()

.



: : ()

.

. : ()

. : ()

: : ()

:

. :

()

: . ()

. :

:

: : ()

:

())

:(

()

: : ()

. :

:

: : ()

.

. : ()

. : ()

: : ()

.

()



: ()

: :

. : :

: : ()

:

. :

. : : ()

. : : ()

. : : ()

: : : ()

. :

. : : ()

. : : ()

. : : ()

: : : ()

:

. :

: : ()

:

: :

. :

. : : ()

() ()

:

() /



: . ()

: :

: :

()

: ()

: . ()

: :

: :

()

: :

: :

()

: :

: :

()

(. (. (: ()

(.

: :

: :

: (*)

()



: : ()

: : ()

: :

()

:

: :

: :

: :

()

: : ()

()

: : ()

: :

: :

() ()

: :

: :

() ()

: :

: : ()

() /

()

: : : . ()

. : : ()

: : : . : : ()

: : : ()

: : : . ()

. : : : : ()

:

.

()



: : : :

. : :

()

()

()

:

:

:

:

.

. :

()

. ()

:

:

:

()

. ()

:

:

()

:

:

:

:

()

()

()

()

. ()

:

:

:

:

:

() /



: : :

. : : :

() () ()

() () ()

: . ()

: : :

: :

. :

()

: () ()

: ()

. ()

()

: :

: :

: :

. ()

: . ()

()



: :
:
. () ()
() ()
()

: : : :
: : : :
:
:
()

: : ()
: : : :
()

: : () ()
:
: : : ()
: : : :
:
()

: : : :
: : : :
:
:

() /

()

. :
: : : :
.
()

: : .
: : : :
.
() ()
() ()

: : .
: : : :
.
()

() () ()
: : .
: : : :
: : : :
: : : :
.

()

()

:

:

:

.

.

:

:

:

()

.

:

:

:

:

.

:

:

(*)

.

:

()

()

: ()

:

:

.()

()

:

.

:

:

) : ()

.(

:

:

()

.

:

.

:

()

() /

) : :

()

.(

: :

()

() :

()

· :

:

()

· :

()

: :

· :

): :

()

(

: ()

: :

· :

()

()

: :

· :

()

: ·

()



:

:

()

()

:

:

:

. ()

:

()

:

:

:

:

:

:

()

:

()

:

()

:

:

:

:

:

:

:

()

:

:

:

:

()

:

()

()

:

()

:

:

()

. ()

()

() /

()

()

:

: (:)

:

:

:

: :

:

. :

:

) () ()

: .

(

:

:

): : :

:

. (

) : ()

:

: . (

. :

()

.

.

:

:

:

() ()

.

:

:

.

()

): ()

()



.() :

.() ()

. : ()

. : ()

.() ()

()

: .

. :

() ()

()

:

: : .()

. : : :

() ()

: : : .

. : : ()

. : : .()

.() ()

.() ()

()

: : . ()

:

() /



: ()

: : : . : ()

: : . : :

. : : :

: : ()

. :

() : ()

() () ()

: : .

. :

() ()

: : : . ()

. :

()

: : . ()

: :

. :

()

:

. () ()

() /

()

()

.()

:

:

:

.

:

()

: .()

()

:

:

:

:

:

.

:

()

()

.()

:

:

.

:

()

()

:

:

:

.()

:

:

:

.

()

()

:

:

.()

:

:

.

:

()



: ()

. () ()

: : :

. : :

: . ()

. : :

()

: : .

. : :

. () ()

. () ()

()

()

() ()

: : :

. :

()

. :

: : :

. : :

()

: () . ()

: : :

() /

. () ()

()

: . ()

: :

. : :

()

()

: . () . :

: :

: :

. : ()

. () ()

. () ()

()

()

: : : . ()

. : : :

: : ()

. : ()

()

: : .

:

. () ()

. : ()

()

: ()

.(...): () (*)

.() ()

()

: : .
: : :
()

: : : : :
: : : : :
: : : : :
()

: : .() : : :
()

: : : : :
: : : : :
) : : : : :
()

...
.(

() /

()

. ()

: : :

:

()

:

: : . ()

: :

()

:

: : . () ()

. : : :

()

:

: : . ()

: : :

: :

:

()

:

: : : . ()

. : :

()

()

()

:

:

:

:

.

.

:

:

:

:

()

:

.

.

:

()

:

:

:

:

:

.

.

:

()

:

:

.

.

:

:

()

:

.

()

.

:

:

()

.

.

:

()

() /



	:)	:	(*)
			.(
:			:	()
			.	
:			:	()
			.	
:			:	()
			.	
		()	:	()
			.	:
			:	()
:			.	:
			:	()
			.	
:	()		:	()
	:	:	.(()
			.	:
:			:	()
			.	

()



: : ()

() :

: : ()

: : ()

: :

: : ()

: : ()

: ()

.() ()

()

()

: : : .()

: ()

: : ()

: : :

() /



()

. ()

: :

. :

()

()

.()

: : .()

: : :

. :

) : ()

: (

) (...)

(...

: .(...) :

: :

. : (*)

. : (**)

: : ()

: :

: ()

) ()

. : (

()



()

: :

. :

) (): ()

: (

()

: :

. :

: ()

)

.(

: ()

) () ()

. : (

() () () ()

) () () ()

: : . (

. :

: ()

. :

: ()

. :

() /



: : ()

. : :

: : ()

. :

: : ()

: :

. :

: : ()

. :

: : ()

. :

. : : ()

: : ()

: :

. : :

) : : ()

.(

: : ()

. :

. : : ()

()



: : ()

: :

.

: : : ()

.

: : ()

.

: : ()

: () :

.

.

) : ()

: . (

) : ()

:

:

. (... ()

() /

()

.()

()

()

()

()

:

.()

()

.()

.

()

.()

:

()

:

()

.()

()

:

()

:

()

()



()

: ()

()

:

()

()

:

:

()

:

()

:

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

() /

(

()

()

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

()

()

:

()

()

:

()

:

()

.()

()

:

()

()

.()

()

.()

()

:

.()

.()

()

:

()

.()

:

()

:

:

() /

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

:

:

()

:

:

()

()

()

:

()

()

:

()

()

()



:

()

:

()

()

()

() ()

()

()

:

()

:

()

()

()

:

()

() ()

()

:

()

:

()

() /

()

:

()

.()

()

.()

:

()

:

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

.()

()

()

:

()

()

()

:

()

()

()

:

()

()

()

()

()

()

() ()

()

:

()

() /

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

()

:

()

:

: